

6. छुट्टी पत्र



प्रश्न :

1. चित्र में क्या-क्या दिखायी दे रहे हैं?
2. पत्र क्यों लिखा जाता है?
3. लड़का चिट्ठी लेते हुए डाकिये से क्या बात कर रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तांदूर,

दिनांक : 13-08-2012

सेवा में,
प्रधानाध्यापक जी,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
तांदूर।

महोदय,

मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है। सब शादी में जा रहे हैं। मैं भी जाना चाहती हूँ। इस कारण मुझे दिनांक 14-08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपकी आज्ञाकारी छात्रा,

मेधा,

क्रमांक : 17,

कक्षा : सातवीं





सुनो-बोलो

1. मेधा अपनी दीदी की शादी में क्यों जाना चाहती है?
2. शादी में क्या-क्या कार्यक्रम होते हैं? बताइए।



पढ़ो

(अ) निम्न वाक्यों को पढ़कर क्रम में लगाइए।

- धन्यवाद।
- मैं भी जाना चाहती हूँ।
- मेरी दीदी का विवाह हैदराबाद में होने वाला है।
- इस कारण मुझे दिनांक 14-08-2012 से 16-08-2012 तक तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।



लिखो

(अ) शब्दों को पत्र के आधार पर उचित स्थान पर लिखिए।

दिनांक, सेवा में, स्थान, आपकी आज्ञाकारी, धन्यवाद, महोदय, विषय, पता

Blank space for writing the letter, with a large rectangular area for the body of the letter and smaller rectangular areas for the header and footer.





शब्द भंडार

(अ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

पूज्य	सहेली	पूज्य पिताजी
श्रीमान	पिताजी	
प्रिय	अध्यापक	

(आ) परिवार के सदस्यों के नामों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

जैसे :- माता-पिता का नाम

1. -
2. -
3. -
4. -

(इ) सही संख्याएँ रिक्त स्थान में लिखिए।

(12, 60, 7, 24)

- वर्ष में महीने होते हैं।
- सप्ताह में दिन होते हैं।
- दिन में घंटे होते हैं।
- एक घंटे में मिनट होते हैं।



सृजनात्मक अभिव्यक्ति

यदि मेधा दीदी के विवाह की घटनाएँ डायरी में लिखती, तो क्या लिखती? सोच कर लिखिए।



क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पत्र रचना के बारे में अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं छुट्टी पत्र लिख सकता/सकती हूँ।		

हमें हर दिन कुछ नया सीखना चाहिए।



नन्हा मुन्ना राही हूँ...

-शकील बदायुनी



पढ़ो-आनंद लो



नन्हा मुन्ना राही हूँ, देश का सिपाही हूँ,
बोलो मेरे संग
जयहिंद, जयहिंद, जयहिंद,
जयहिंद, जयहिंद।
रास्ते पे चलूँगा न डर-डर के
चाहे मुझे जीना पड़े मर-मर के,
मंज़िल से पहले न लूँगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ॥नन्हा...॥

धूप में पसीना मैं बहाऊँगा जहाँ,
हरे-भरे खेत लहरायेंगे वहाँ,
धरती पे फाके न पायेंगे जनम,
आगे ही आगे बढ़ायेंगे कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ॥नन्हा...॥

बड़ा हो के देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आँखों का तारा बनूँगा,
रखूँगा ऊँचा तिरंगा परचम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें दाहिने बायें थम! ॥नन्हा...॥

शांति की नगरी है मेरा ये वतन,
सबको सिखाऊँगा मैं प्यार का चलन,
दुनिया में गिरने न दूँगा कहीं बम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें, दाहिने बायें, थम! ॥नन्हा...॥

